been arrived at. Generally, it has been left to the shipping companies, and if they consider it necessary to consult the Government, they may do so. The meeting of the Shipowners' Consultative Committee is held for considering such matters. I personally think that there is no difficulty about this matter. The shipping companies will go ahead in making their purchases on a standard basis which has been roughly arrived at.

Shri Thanu Pillai: The hon. Minister said that the Government are considering the question of giving further aid. I would like to know whether the loans would be advanced for the purchase of second-hand ships also.

Shri Lal Bahadur Shastri: For both. It is for them to decide whether they would like to purchase second-hand ships or not.

Shri Thanu Pillai: I wanted to know whether the Government will give loans for the purchase of second-hand ships also.

Shri Lal Bahadur Shastri: Yes, I said so.

Dr. Rama Rao: In view of the fact that there is great difficulty in obtaining ships which are required very urgently, why don't the Government take immediate steps to start a second shipyard at Cochin?

Shri Lal Bahadur Shastri: That is a matter directly connected with the Production Ministry. Perhaps, the hon. Member is aware that only four or five days before, the Production Minister said in this House that they are actively considering the setting up of a new shipyard.

ग्वालियर-उज्जैन रेलवे लाइन

*१८३५. **श्री राधेलाल व्यास** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ग्वालियर-उज्जैन रेलवे लाइन का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है;

(ख) किन-किन पथों का सर्वेक्षण किया गया है और प्रत्येक पथ पर कौन-कौन से महत्वपूर्ण नगर पड़ते हैं; और

(ग) सर्वेक्षण-प्रतिवेदन पर रेलवे बोर्ड ने क्या निर्णय किया है ?

रेलवे तथा परिवहन मंत्री के सभासचिव (श्री शाहनवाज खां) : (क) अभी नहीं ।

(ख) रोठियाई, व्यावरा और आगरा होते हुए गुना से नागदा के रास्ते का सर्वे पूरा हो चुका है । गुना से बजरंगगढ़ होते हुए एक दूसरे रास्ते का सर्वे भी हो चुका है जो रोठियाई के आगे उस रास्ते से मिल जायेगा । गुना-नागदा लाइन पर ये स्टेशन पड़ेंगे :—

रोठियाई, रघुगढ़, कुम्भराज, व्यावरा, खुजनेर, आगर, महिदपुर और नागदा ।

(ग) सवाल नहीं उठता ।

श्री राधेलाल व्यास : क्या मैं जान सकता हूं कि आरम्भ में उज्जैन से ग्वालियर लाइन के लिए दो रास्तों का सर्वे करने की आज्ञा दी गई थी यानी एक तो मकसी तक, दूसरा आगर होकर उज्जैन तक । इस तीसरे मार्ग का सर्वे करने की, उन दोनों मार्गों को छोड़कर, क्यों आज्ञा दी गई और दूसरे मार्गों के बारे में क्या हुआ ?

रेलवे तथा परिवहन मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : सर्वे करने में कोई हरज नहीं होता है । एक मार्ग का सर्वे करें, दो का करें या तीन का करें, यह फायदे की चीज ही होती है । किस मार्ग को अपनाया जाए, इसका फैसला बाद में किया जा सकता है ।

श्री राधेलाल व्यास : मैं जानना चाहता हूं कि शाहजहांपुर आगरा से होकर जो सर्वे किया जा रहा है और उज्जैन तक भी जो सर्वे किया जाएगा, उसके बाद ही गुना से किस मार्ग से रेलवे लाइन ली जाए, इसका निर्णय किया जाएगा या सर्वे के पहले ही कोई निर्णय कर लिया गया है या कर लिया जाएगा ?

श्री शाहनवाज खां : बिल्कुल ऐसा ही किया जाएगा ।

श्री उ० मू० त्रिवेदी : क्या मैं जान सकता हूं कि अभी जो वैस्टर्न रेलवे के अन्दर डिविजंस बने हैं उन डिविजंस के अन्दर में

एक मनमानी लाइन खींची गई है । जब गुना से नागदा तक लाइन बनाना है तो क्या इस बात के ऊपर रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन निर्णय पर पहुंच चुका है कि सिर्फ यही लाइन बनेगी ?

श्री शाहनवाज खां : जैसे कि आनरेबल मिनिस्टर साहब फरमा चुके हैं, सर्वे हो रहा है । जब सर्वे हो चुकेगा और उसके ऊपर गौर मुकम्मिल हो जाएगा तभी कोई फैसला किया जाएगा ।

श्री उ० मू० त्रिवेदी : क्या मैं जान सकता हूं कि गुना से नागदा का सर्वे कब हुआ और किसी बजट के अन्दर इसका उल्लेख किया गया था ?

Shri Shahnawaz Khan: The survey of this line from Guna to Nagda was completed.

श्री राघेलाल व्यास : क्या मैं जान सकता हूं कि इस लाइन का जो सर्वे किया गया है, उसके बारे में मध्य भारत की सरकार ने भी क्या कोई सिफारिश की थी या बिरला जी की तरफ से कोई लिखा पढ़ी की गई थी कि इसका सर्वे किया जाए ?

श्री लाल बहादुर शास्त्री : हमें तो जानकारी नहीं है । सर्वे पार्टीज जाती हैं और उनको ही पता होगा । हर आदमी को यह अख्तियार है कि वह सर्वे पार्टी के सामने आकर जिस तरह की चाहे रिप्रेजेंटेशन करे ।

Office of Post Master General, Nagpur

*1836. { **Mulla Abdullabhai** : **Shri Amar Singh Damar**:

Will the Minister of **Communications** be pleased to state.

(a) whether it is a fact that the office of Post Master General at Nagpur will be submitted to Gwalior after the new States are formed ; and

(b) the facilities available to the staff at Gwalior?

The Minister in the Ministry of Communications (Shri Raj Bahadur) : (a) and (b). The question of reorganising Post and Telegraphs Circles, as a result of the reorganisation of States, is under consideration.

Shri T. B. Vittal Rao : May I know whether the scheme could be finalised soon, because, from 1st November, 1956, we are going to have new States?

Shri Raj Bahadur : It will not be possible to finalise it so quickly. We shall have to take a very many factors into consideration including the number of post offices, telegraph offices and availability of accommodation for staff, residential quarters, etc. All such factors will have to be taken into consideration before we can come to any final decision about it.

श्री अ० सि० सहगल : मैं जानना चाहता हूं कि पोस्ट मास्टर जनरल का जो दफ्तर है वह नए मध्य प्रदेश में उसके किसी मध्य भाग में रखा जाएगा ?

श्री राज बहादुर : मैंने अभी कहा है कि यह सारा प्रश्न विचाराधीन है और अभी इसका फैसला नहीं हुआ है कि कार्यालय को कहां रखा जाए । कहां पर केन्द्रीय कार्यालय खोला जाए और कहां कहां सर्किल खोले जायें, इसका फैसला बहुत सी बातों को ध्यान में रख कर करना होता है । अभी कोई फैसला नहीं हुआ है ।

मुल्ला अब्दुल्ला भाई : क्या यह सही है कि माननीय मंत्री जी ने हाल ही में यह कहा था कि पी० एम० जी० के दफ्तर को नागपुर से नहीं हटाया जाएगा ?

श्री राज बहादुर : मैं समझता हूं कि जो कुछ उन्होंने कहा है वह यह है कि इस प्रश्न पर विचार किया जाएगा कि इसे नागपुर में रखा जाए या न रखा जाए, यदि रखा जाए तो कितना रखा जाए । नागपुर के विदर्भ एरिया को देखते हुए तथा दूसरे क्षेत्रों को देखते हुए वहां क्या कोई नया सर्किल बनाया जाएगा या न बनाया जाए, ये सब प्रश्न विचाराधीन हैं और